शनिवार
01 जुलाई 2023

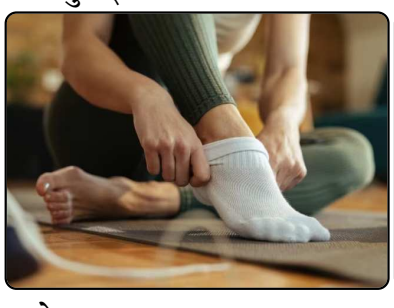

पृष्ठ 4

गर्मी में ज्यादा देर मोजा पहनने से पैरों को हो सकता है नुकसान

पृष्ठ 5

एक्शन थ्रिलर फिल्म कोई शक में नजर आएंगे शाहिद कपूर

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 148
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जिस प्रकार मैले दर्पण में सूरज का प्रतिबिंब नहीं पड़ता उसी प्रकार मलिन अंतःकरण में ईश्वर के प्रकाश का प्रतिबिंब नहीं पड़ सकता।

– रामकृष्ण परमहंस

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com
आर.एन.आई.- 59626/94
Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

यूसीसी से महिलाओं को मिलेगी नई ताकत

विशेष संवाददाता

देहरादून। यूसीसी (यूनिफॉर्म सिविल कोड) को लेकर जहां इन दिनों देश की राजनीति में चर्चाओं का बाजार गर्म है और सभी दल अपने-अपने सियासी जोड़-भाग में जुटे हुए हैं वही देश की आधी आबादी (महिलाओं) को यूसीसी के लागू होने से अपने सशक्तिकरण का नया रास्ता मिलने की उम्मीद है। खास बात यह है कि हर जाति धर्म और संप्रदाय की महिलाएं यह मान रही है कि इस नए कानून से उनकी सामाजिक सुरक्षा पहले से बेहतर होगी और उन्हें आगे बढ़ने में यह नया कानून मददगार साबित होगा।

हालांकि उत्तराखंड के लिए यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने वाले विशेषज्ञ समिति ने न तो अपना ड्राफ्ट सरकार को सौंपा है और न किसी ड्राफ्ट के बारे में कोई अधिकृत जानकारी किसी के द्वारा दी गई है लेकिन सूत्रों के हवाले से जो भी खबरें छन-छन कर सामने आ रही हैं उसे लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। इस बाबत कुछ पढ़ी-लिखी और नौकरी पेशा महिलाओं का कहना है कि लड़कियों की शादी की

सभी धर्म-जाति व संप्रदाय की महिलाओं में उत्साह

उम्र 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष किये जाने से उनको पिता और पति की संपत्ति में बेटों की तरह समान अधिकार दिए जाने और संबंध विच्छेद (तलाक) जैसे मामलों के लिए समान आधार सुनिश्चित किए जाने से महिलाओं को जो एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा कवच मिलेगा उससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। जानकारी के अनुसार एक पुरुष जिस आधार पर अपनी पत्नी से संबंध विच्छेद का अधिकार रखता है अब पत्नी भी उसी आधार पर पति से संबंध विच्छेद कर सकेगी। जबकि पहले के कानूनों में पुरुषों के पास ही तमाम अधिकार संरक्षित थे। वही अब पत्नी का भी पति की संपत्ति पर बराबर का अधिकार होगा। जबकि पहले पति की संपत्ति पर पति का ही अधिकार होता था। शादी की उम्र 18 से 21 साल किए जाने से लड़कियों को अब उच्च शिक्षा पूरी करने का अवसर मिल सकेगा। अब तक छोटी उम्र में शादी होने के कारण लड़कियों को

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

सीएम दिल्ली रवाना, यूसीसी पर करेंगे चर्चा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज दिल्ली रवाना हो चुके हैं। यूसीसी ड्राफ्ट कमेटी के अनुसार एक-दो दिन में ही वह सरकार को ड्राफ्ट सौंप सकती है। कल सीएम ने खुद भी कहा था कि वह इस ड्राफ्ट के अध्ययन के बाद केंद्रीय नेतृत्व से भी इस पर राय मशवरा करेंगे। माना जा रहा है कि कल सीएम धामी पार्टी के कुछ बड़े नेताओं से मुलाकात कर यूसीसी के प्रावधानों पर चर्चा कर सकते हैं। कश्मीर से धारा 370 हटाने और तीन तलाक को समाप्त करने व राम मंदिर निर्माण के बाद केंद्र व राज्य सरकार का इस यूसीसी को लाना एक मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है जिसका बड़ा फायदा भाजपा को मिलने की संभावनाएं जताई जा रही है।

बाइक चोर गैंग का खुलासा, तीन गिरफ्तार, 14 बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरों के गैंग का खुलासा करते हुए पुलिस ने गैंग के तीन सदस्यों को चुरायी गयी 14 बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जिले में बढ़ रही बाइक चोरी की घटनाओं के मद्देनजर पुलिस द्वारा तकरीबन हर थाना क्षेत्र में इन दिनों चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में आज सुबह थाना लक्सर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। चैकिंग के दौरान पुलिस को बाकरपुर तिराहे के पास तीन बाइकों में सवार तीन संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे, जिन्हे घेर कर दबोचा गया। वाहनों के कागजात मांगने पर वह पुलिस को टहलाने का प्रयास करने लगे। सख्ती से की गयी पूछताछ में उन्होने उक्त तीनों बाइक चोरी का होना कबूल करते हुए अपना नाम सुमित कुमार पुत्र बिजेन्द्र कुमार निवासी सेठपुर लक्सर, मुकुल पुत्र किशनपाल निवासी ग्राम ऐथल थाना पथरी व परमजीत पुत्र गुरूमुख निवासी ग्राम झबिरन नसीरपुर कंला थाना पथरी बताया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चुरायी गयी अन्य 11 मोटर साइकिल भी बरामद की गई है। जिनमें से कोतवाली लक्सर में 3 व थाना सिडकुल में 4 मुकदमें पंजीकृत है। जबकि अन्य बाइकों के संबंध में जानकारी की जा रही है। बहरहाल पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

यूसीसी के मुद्दे पर केंद्र सरकार का समर्थन कर सकते हैं उद्धव ठाकरे

मुंबई। यूनिफॉर्म सिविल कोड के मुद्दे पर उद्धव ठाकरे केंद्र सरकार का समर्थन कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार सरकार संसद के मॉनसून सेशन में समान नागरिक संहिता यूसीसी का विधेयक पेश कर सकती है। संसद का मॉनसून सत्र जुलाई में शुरू होने वाला है। सूत्रों के अनुसार उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी- उद्धव बालासाहेब ठाकरे) समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लिए केंद्र सरकार की पहल का समर्थन करेगी। पार्टी नेता संजय राउत ने कहा कि पार्टी की सोच हमेशा यूसीसी के साथ रही है लेकिन अंतिम निर्णय समान नागरिक संहिता के विधेयक का मसौदा तैयार होने के बाद ही लिया जाएगा। यूबीटी सेना नेता आनंद दुबे ने कहा कि जब भी विधेयक पेश किया जाएगा, पार्टी इसका समर्थन करेगी। वही दूसरी ओर भाजपा की धुर विरोधी- आम आदमी पार्टी ने भी समान नागरिक संहिता के कानून को लेकर अपना 'सैद्धांतिक' समर्थन दिया है। अन्य विपक्षी दलों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने तटस्थ रुख अपनाया है। शरद पवार की पार्टी ने कहा है कि वह यूसीसी का न तो समर्थन करती है और न ही विरोध करती है।

बस हादसा, 26 मरे

मुंबई। नागपुर से पुणे जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई और बस में आग लग गई। इस बस में दो चालकों सहित 33 लोग सवार थे जिनमें से 26 लोगों की जलकर मौत हो गई। वहीं, अन्य लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस पहले नागपुर से औरंगाबाद की ओर जाने वाले रास्ते पर दाहिनी ओर एक लोहे के खंभे से टकराई। जिसके बाद ड्राइवर ने संतुलन खो दिया। इस दौरान बस रोड के बीच बने कंक्रीट के डिवाइडर से टकराकर पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने यह भी बताया कि बस बायीं तरफ पलटी, जिससे बस का दरवाजा नीचे आ गया। ऐसे में उसमें

सवार लोग बाहन नहीं निकल सके। बताया ये भी जा रहा है कि हादसे के दौरान बस से बड़ी मात्रा में डीजल सड़क पर फैल गया। डीजल फैलने के कारण ही बस में आग लग गई।

बस दुर्घटना को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने भी मुआवजे का एलान किया है। उन्होंने ट्वीट में कहा, ष्महाराष्ट्र के बुलढाणा में हुई बस दुर्घटना से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन लोगों के परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपनी जान गंवाई। घायल शीघ्र स्वस्थ हों। स्थानीय प्रशासन प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। बस दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए पीएमएनआरएफ से दिए जाएंगे।

महाराष्ट्र के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रात को हुए बुलढ़ाणा बस हादसे के कारणों की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया है। फडणवीस ने शनिवार को पत्रकारों को बताया झुलसे और घायल यात्रियों की हालत खतरे से बाहर है। घटना बहुत ही दुखद है। राज्य सरकार पीड़ितों के साथ है। उन्होंने कहा बस ड्राइवर दानिश शेख इस्माइल शेख को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

गरीबों पर भारी पड़ती महंगाई

ऐसा लगता है कि अब राजनीतिक दलों के लिए महंगाई कोई सामाजिक समस्या और राजनीतिक मुद्दा नहीं रह गया है। वह वक्त अब गुजरे कल की बात हो गया जब अखबारों में ऐसे समाचार छपते थे कि प्रधानमंत्री के सामूहिक भोज में सलाद से प्याज गायब। और प्याज की बढ़ती कीमतों के कारण किसी राजनीतिक दल को जनता सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा देती थी। अब भले ही किसी आम उपभोग की वस्तु की कीमत कितनी भी ऊपर चली जाए न आम जनता पर इसका कोई प्रभाव दिखाई देता है और न चौक-चौराहों पर इस बात की कोई चर्चा होती है। लोग जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं है किसी वस्तु की कीमत बढ़ने पर उसे खरीदना बंद कर देते हैं और नेता तथा अमीर लोगों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि टमाटर अगर 100 रूपये किलो है तो क्यों है? दरअसल महंगाई उस गरीब तबके का मुद्दा है जिसकी आय न्यूनतम स्तर पर है। जो सिर्फ 10-20 रुपए किलो का ही टमाटर खरीद सकता है वह भी सिर्फ कभी-कभार एक पाव या आधा किलो। भले ही देश की एक तिहाई आबादी अभी भी इसी श्रेणी में आती हो लेकिन इस महंगाई से उसका ही जीवन सर्वाधिक प्रभावित होता है। टमाटर खाना छोड़ना इस आबादी के लिए कोई मुश्किल की बात नहीं है लेकिन दाल, आटा, चावल और तेल मसाले खाना छोड़ना तो उसके लिए भी असंभव है। इन दिनों सिर्फ टमाटर ही 100 रूपये किलो नहीं मिल रहा है बाजार में अन्य सीजन की सब्जियों के दाम भी कम नहीं है। खास बात यह है कि अगर सब्जियों के दाम अधिक हैं इसलिए दाल रोटी खाकर भी तो इन गरीबों का गुजारा संभव नहीं है। क्योंकि दालों के भाव जो पहले से ही आसमान छू रहे थे बीते 1 सप्ताह में और भी अधिक ऊपर जा चुके हैं दालों की कीमतों में औसतन 20 से 25 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है वहीं आटा चावल व खाद्य तेलों में भी 5 से 10 फीसदी का इजाफा हो गया है। वर्तमान समय में बाजार में सवा 100 रूपये प्रति किलो से नीचे नहीं है जबकि अरहर की दाल तो 160 रूपये किलो तक मिल रही है। पेट्रोल-डीजल की कीमतें जो सालों से 100 रूपये प्रति लीटर के आसपास चल रही है वह अब कभी नीचे आएगी इसकी संभावना दूर-दूर तक भी दिखाई नहीं दे रही है। रसोई गैस सिलेंडर 11 सौ रुपए से ऊपर पहुंच चुका है। गरीब आदमी अब मुट्ठी में पैसे लेकर बाजार में इधर उधर भटक रहा है कि शायद कहीं कोई उसके जरूरत का सामान कुछ सस्ता मिल जाए। बात अगर मसालों की की जाए तो बीते दो-चार सप्ताह में जीरा जो 600 रूपये किलो था अब बढ़कर 800 रूपये किलो और मिर्च पाउडर जो 200 से 225 रूपये किलो था 325 व 350 रूपये प्रति किलो हो चुका है। एक समय में चुनाव से पूर्व अगर इस तरह की महंगाई होती थी तो सरकारों के पसीने छूट जाते थे। सत्ता में बैठे लोग किसी भी कीमत पर उन वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रण में रखने में अपनी पूरी ताकत झोंक देते थे जिसके दाम तेजी से बढ़ रहे होते थे क्योंकि उन्हें इस बात का डर होता था कि महंगाई से परेशान जनता का गुस्सा उनकी राजनीति पर भारी पड़ सकता है। लेकिन अब सत्ताधारी दलों को भी इससे कोई प्रभाव पड़ता नहीं दिख रहा है उन्होंने अन्य तमाम ऐसे मुद्दे खोज लिए हैं जो महंगाई के दर्द को भी बेअसर कर सकते हैं। क्योंकि बीते कुछ सालों में देश की राजनीति का चेहरा मोहरा ही नहीं बदल गया है बल्कि उसके तौर-तरीके भी बदल चुके हैं यही कारण है कि नेताओं की सोच अब जन समस्याओं के मुद्दो पर कुछ ऐसी हो गई है कि अपना काम बनता भाड़ में जाए जनता। अब उन्हें जनता की कोई परवाह नहीं है भले ही यह उनकी सोच गलत सही और जनता जो कुछ भी करने का सामर्थ्य रखती है। इस महंगाई के मुद्दे पर क्या करती है? यह आने वाला समय ही बताएगा।

तीन दिवसीय विशेष गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम आज से

देहरादून (कासं)। तीन दिवसीय विशेष गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर ग्राम धोलास और माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव गढ़ी कैंट में आज सायं 6 बजे से 9 बजे तक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में आयोजित होगा। सत्संग, भगवान श्री धोलेश्वर महादेव जी का विशेष पूजन, श्रृंगार और आरती, भजन कीर्तन, बच्चो को पाठ्य सामग्री वितरण और प्रसाद वितरण कल रविवार 2 जुलाई विशेष गुरु पूर्णिमा योग, ध्यान साधना शिविर प्रातः 5:30 बजे, धोलेश्वर महादेव और ग्राम धोलास में वृक्षारोपण प्रातः 7:30 बजे से। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव में विशेष गुरु पूर्णिमा पूजन, संगीतमय सुंदरकांड पाठ, भजन कीर्तन, प्रसाद वितरण, विद्यालयों में पाठ्य सामग्री वितरण सोमवार 3 जुलाई प्रातः 7 बजे से होगा।

अधुक्षत्पिप्युषीमिषमूर्जं सप्तपदीमरिः।
सूर्यस्य सप्त रश्मिभिः॥

(ऋग्वेद ८-७२-१६)

मानव को सूर्य की सात किरणों द्वारा पोषित अन्न और ऊर्जा प्राप्त होती है। मानव को अपने जीवन में सप्तपदीम् अर्थात स्वास्थ्य, ज्ञान, जितेंद्रियता, विशाल हृदय, प्रगति, तप और सत्य को धारण करके जीवन को सफल बनाना चाहिए।

Man gets food and energy, nourished by the seven rays of the sun. A human should make life successful by adopting Saptapadim i.e. Health, Knowledge, Jitendriya, Big Heart, Progress, Tapa and Truth in his life.

(Rig Veda 8-72-16)

राज्यपाल ने मोहन सिंह खत्री को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। अग्रणी राज्य आन्दोलनकारी एवं भारतीय रेडक्रास सोसाइटी की राज्य शाखा के कोषाध्यक्ष मोहन सिंह खत्री को उनकी समाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

राजभवन देहरादून में भारतीय रेडक्रस सोसाइटी की आम सभा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल ले0 जन. (अ.प्रा.) गुरमीत सिंह ने रेडक्रास सोसाइटी द्वारा किये जा रहे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों विशेषकर कोरोना महामारी काल में रेडक्रास सोसाइटी एवं सामाजिक संगठनों द्वारा किये गये कार्यों के लिए विभिन्न समाज सेवियों एवं सोसाइटी के पदाधिकारियों को सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

ज्ञातव्य हो कि सामाजिक कार्यकर्ता एवं उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलनकारी मोहन सिंह खत्री द्वारा क्षेत्रीय लोगों की सहायता से लॉक डाउन के समय मालसी सहित कई क्षेत्रों में कई दिनों तक जरूरतमंदों के लिए के लिए सार्वजनिक रसोई का संचालन किया गया। इन सार्वजनिक रसोई के माध्यम से प्रत्येक दिन लगभग 200 से 250 लोगों को भोजन उपलब्ध कराया गया तथा विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंदों को राशन किट वितरित की गई। साथ ही श्री मोहन सिंह खत्री द्वारा रोड क्रास सोसाइटी की सहायता से जगह-जगह निःशुल्क रक्तदान शिविरों का आयोजन कर लगभग 1000 यूनिट रक्त एकत्र कर कोरोना महामारी से पीड़ित मरीजों के लिए रक्त की व्यवस्था की गई। यही नहीं देहरादून के विभिन्न चिकित्सालयों में सुदूरवर्ती पर्वतीय क्षेत्र से आने वाले मरीजों को होने वाली समस्याओं एवं चिकित्सालयों में होने वाली कमियों से भी श्री मोहन सिंह खत्री शासन-प्रशासन एवं सरकार को समय-समय पर अवगत कराते रहे हैं।

मोहन सिंह खत्री की उत्कृष्ट समाज सेवा के दृष्टिगत राज्यपाल ले.जन. गुरमीत सिंह ने उन्हें स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत, प्रमुख सचिव राज्यपाल रविनाथ रमन, रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन कुन्दन सिंह टोलिया, वाइस चेयरमैन गौरव जोशी, प्रभारी सचिव हरीश शर्मा आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

महिंद्रा सर्विस सेंटर से चोरी का आरोपी खुद पहुंचा चौकी, माल बरामद

संवाददाता

देहरादून। महिन्द्रा सर्विस सेन्टर से चोरी का आरोपी ने स्वंय चौकी पहुंचकर माल बरामद कराया। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिलीप सिंह गुसाई मैनेजर महिंद्रा सर्विस मोथरोवाला द्वारा थाना नेहरू कालोनी ने थाने आकर लिखित प्रार्थना पत्र दिया कि 25 जून को अनुज पाल द्वारा उनके सर्विस सेंटर से डीजल, लोहे के जरूरी पाट्र्स चोरी करके ले गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस की जांच के दौरान नामजद अनुज पाल ने स्वंय चौकी में आकर उसकी निशानदेही पर नोखा अंग्रेजी वाइन शॉप से एक किलो मीटर आगे चौकी प्रभारी बाईपास व उनकी पुलिस टीम द्वारा महिंद्रा सर्विस से चोरी के शत प्रीतिशत माल को बरामद किया गया। उक्त स्थान पर नामजद अनुज पाल को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ पर बताया कि वहं महिंद्रा सर्विस मोथरोवाला में काम करता हैं। उसको नशे की आदत है जिस कारण उसे अधिक पैसों आवश्यकता थी जिस कारण उसने 25 जून 2023 को महिंद्रा सर्विस सेंटर से वाहनों के जरूरी कुछ पार्टस् व डीजल चोरी कर लिया था जिसमे से उसने डीजल खर्च कर दिया तथा वाहनों के पाट्र्स को ग्राम नोखा अंग्रेजी शराब की दुकान से आगे रोड से जंगल की ओर झाड़ियों में छुपा कर रखा था,जिसे समय मिलकर बेचना चाह रहा था मगर उसके खिलाफ रिपोर्ट हो गयी थी वह डर गया इसलिए वह स्वय अपने जुर्म के बारे में बताने के लिए आ गया। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मसूरी पेयजल योजना का काम सितम्बर माह तक हर हाल में पूर्ण होःजोशी

संवाददाता

देहरादून। मंत्री ने कहा मसूरी पेयजल योजना का सितम्बर माह तक हर हाल में निर्माण कार्य पूर्ण किया जाये। आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कैंप कार्यालय में यमुना- मसूरी पेयजल पंपिंग योजना की सम्बंधित विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की। बैठक के दौरान मंत्री गणेश जोशी ने मसूरी पेयजल योजना के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंत्री ने अधिकारियों को योजना में हाइडल विभाग का जो पेंडिंग कार्य है जिसकी वजह से पंप चल नहीं पा रहे है, उसे शीघ्र कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा सितम्बर माह तक हर हाल में निर्माण कार्य पूर्ण करने के भी अधिकारियों को निर्देशित किया। मंत्री ने यूपीसीएल एवं पेयजल के अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना के तहत मसूरी कैम्पटी के पास क्यारसी गांव में सब स्टेशन के निर्माण संबंधित अधिकारियों को तेजी से कार्य करने के भी निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि पेयजल योजना के लागू होने से मसूरी को पन्द्रह मिलियन लीटर डेली (एमएलडी) वाटर दिया जा सकेगा।

नेशनल यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मुनस्यारी की बेटी काजल व दीपा ने जीते स्वर्ण पदक

मुनस्यारी (कासं)। भोपाल मे चल रहे नेशनल यूथ बॉक्सिंग चौंपियनशिप में मुनस्यारी के ग्राम भदेली निवासी काजल फर्स्वाण तथा होकरा निवासी दीपा मेहता पुत्री राजन सिंह ने आज फाइनल में आज जीत हासिल कर स्वर्ण पदक हासिल कर लिया है। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि इन बेटियों को सम्मानित किया जायेगा।

भारत और अमेरिका के बीच दोस्ती का नया अध्याय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के बीच अंतरिक्ष से लेकर सरजमीं और सागर तक हुए समझौतों पर गौर करें तो यही कहा जा सकता है। अमेरिका ने भारत के आग्रहों को जिस तरह हाथों हाथ लिया, उनसे यही लगता है कि बाइडेन की पूरी कोशिश मोदी की यात्रा को हर हाल में सारवान बनाने की थी। मोदी का यह कहना लाजिमी था कि इससे 'वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में एक नया अध्याय शुरू' हो गया है। सच में यह एक ऐतिहासिक प्रस्थान बिंदु है।

अमेरिका का उन्नत जेट इंजन के भारत में निर्माण, ड्रोन, सेमीकंडक्टर का भारत में बेस बनाने, इसको बनाने वाली मशीन का निर्माण भारत में करने वाली कंपनी के करोड़ों-अरबों के निवेश पर समझौते को देखें तो तकनीक का ऐसा हस्तांतरण पहले कभी नहीं हुआ था। इसका मतलब है कि अमेरिका भारत को भविष्य की तकनीकों से लैस करना चाहता है। वह न केवल हथियार बेच कर रूस की पहली जगह लेना चाहता है बल्कि बीजिंग को रोकने के लिए नई दिल्ली की ताकत में भी इजाफा करना चाहता है।

यह समझौता इस ओर भी संकेत करता है कि अमेरिका अपनी कंपनियों को चीन से वापस बुलाए बिना ही भारत को वस्तुओं की आपूर्ति का वैसा ही एक संगठित बेस बनाना चाहता है। इसका फायदा भारत को रोजगारपरक अर्थव्यवस्था बनने में मिलेगा। देखा जाए तो मोदी के नेतृत्व में भारत की तरफ से अमेरिका के प्रति गर्मजोशी दिखी है। तो क्या भारत अपनी स्वायत्त स्थिति से कोई समझौता कर लिया है? ऐसा होता नहीं लगता। तय पटकथा के अनुरूप चीजें अपने पक्ष में करते हुए भी मोदी ने अमेरिकी चाह के अनुरूप न तो रूस की आलोचना की है और न ही चीन से दो-दो हाथ करने वाला वक्तव्य ही दिया है। इतना ही नहीं, असहमति को कुचलने, अल्पसंख्यकों के प्रति हिंसा रोकने और उनकी सुरक्षा में कोताही के आरोपों पर भी बाइडेन ने ध्यान नहीं दिया है। मोदी के इस जवाब पर संतोष कर वे आगे बढ़ गए हैं कि 'लोकतंत्र भारत के डीएनए में है', तो इसकी एक वजह भविष्य के लिए भारत पर लगाया गया दांव है। देखना होगा कि मोदी का भारत विदेश नीति में स्वायत्तता बनाए रखने के रास्ते पर किस हद तक और कैसे बढ़ पाता है। फिलहाल, वह अमेरिका का रणनीतिक साझेदार-दोस्त बन गया है। (आरएनएस)

वोट की लूट रुके

राज्य में तीनस्तरीय पंचायत व्यवस्था के करीब 75,००० पदों के लिए एक ही दिन में चुनाव कराने की राज्य सरकार की हड़बड़ी भरी घोषणा के बाद से पिछले माह 2० जून को नाम वापस लेने की आखिरी तारीख तक ही चुनाव से जुड़ी हिंसा में 9 जानें जा चुकी थीं।

बंगाल में वाम मोर्चा के शासन में जब पंचायती राज व्यवस्था के जरिए जमीनी स्तर पर प्रशासन के जनतांत्रीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई थी, तब से ही इन चुनावों के साथ हिंसा भी लगी रही थी। लेकिन उस दौर में पंचायत चुनाव चूंकि ग्रामीण बंगाल में, सत्ता संतुलन वंचितों-गरीबों के पक्ष में बदलने का प्रतिनिधित्व करते थे, उनमें ज्यादा हिंसा परंपरागत रूप से ग्रामीण क्षेत्र में हावी ताकतों द्वारा की जाती थी। इसका नतीजा था कि सत्ताधारी होते हुए भी वाम मोर्चा को ही इस हिंसा की ज्यादा मार झेलनी पड़ती थी।

बहरहाल, 2०11 में तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से सत्ता के संरक्षण में हिंसा को ग्रामीण निकायों पर कब्जा करने का प्रमुख हथियार बना लिया गया है। वास्तव में पिछले पंचायत चुनाव में तो राज्य की सत्ताधारी पार्टी की ओर से इतने बड़े पैमाने पर वोट की लूट की गई थी कि उस पर जनता की नाराजगी का 2०19 के आम चुनाव में भाजपा को खासा लाभ भी मिला था।

इसलिए, हैरानी नहीं है कि चुनाव की तारीख की घोषणा के साथ ही विपक्षी पार्टियों ने हाई कोर्ट से प्रार्थना की थी कि चुनाव में केंद्रीय बलों की भी उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। हाई कोर्ट ने इसका आदेश भी दे दिया लेकिन राज्य सरकार ने चुनौती दे डाली। इसके बाद ही सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप की नौबत आई। उसने जनतांत्रिक तरीके से चुनाव सुनिश्चित करने की खातिर केंद्रीय बलों की मदद लेने का निर्देश दिया है। इसके बावजूद, मानकर नहीं चला जा सकता कि अब जनतांत्रिक तरीके से चुनाव हो जाएगा।

राज्य चुनाव आयोग ने राज्य के कुल 22 जिलों में केंद्रीय बलों की एक-एक कंपनी यानी लगभग सौ-सौ जवान बुलाने के अपने फैसले से साफ कर दिया है कि केंद्रीय बलों की भूमिका सीमित ही रहेगी। फिर भी उम्मीद की जानी चाहिए कि इस बार पंचायत चुनावों में हिंसा के जरिए वोट की लूट पर कुछ अंकुश लगेगा। (आरएनएस)

मोटापा कंट्रोल करने के आसान घरेलू टिप्स

अगर हमारे मोटापे की वजह कोई मेडिकल कंडीशन नहीं है तो हम सिर्फ अपने लाइफस्टाइल में जरूरी और छोटे-छोटे बदलाव करके बहुत ही आसानी से खुदो को शेप-अप कर सकते हैं। आइए यहां बात करते हैं उन ईजी फैक्टर्स के बारे में जो हमारी रुटीन लाइफ से जुड़े हैं और बढ़ते वेट की बड़ी वजह बन जाते हैं...

रात को पूरा आराम करें

-देर रात तक जागना और सुबह देर तक सोना। या फिर देर रात तक जागना और मात्र 4 से 5 घंटे की नींद लेना और अगले दिन अपने काम में जुट जाना। साथ ही सोने और जागने का कोई निश्चित समय ना होना। ये कुछ ऐसे फैक्टर्स हैं, जिनके चलते हमारी नींद पूरी नहीं हो पाती और बॉडी ब्लॉट करने लगती है।

-यानी हमारी बोन्स और मसल्स पर जो फैट है, बॉडी उसे लूज छोड़ देती है। जिस कारण हम मोटे ना होते हुए भी मोटे दिखने लगते हैं। इसके साथ ही हमारी स्किन का चार्म भी लूज होने लगता है। इसके साथ ही नींद पूरी ना होने के कारण हमारी ईटिंग हेबिट बहुत अधिक प्रभावित होती है।

- हमारे शरीर को भूख नहीं लग रही होती है लेकिन हमारा ब्रेन हमें इस तरह के संकेत देने लगता है कि हर समय क्रेविंग होती रहती है। इसकी वजह होता है नींद पूरी ना होने के कारण ब्रेन में रिलीज होनेवाला लेप्टिन हॉर्मोन। यही वह हॉर्मोन है, जो हमारे वेट को कंट्रोल करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह एक मेडिकली टेस्टेड फॉर्म्यूला है, जो आपको फिट रखने में बहुत काम आएगा।

पानी पीते रहना

-पानी अगर सही तरीके से पिया जाए तो ना केवल आपके शरीर को फैटी होने से बचाता है बल्कि बीपी कंट्रोल रखता है और स्किन को ग्लोइंग बनाए रखता है। अपने शरीर को हाइड्रेट रखना फिटनेस का एक सॉलिड मंत्र है।

-एक्सपर्ट्स कहते हैं कि हर व्यक्ति को एक दिन में कम से कम तीन लीटर

पानी जरूर पीना चाहिए। ऐसा करना आपकी फिजिकल फिटनेस को ही नहीं बल्कि मेंटल फिटनेस को भी बनाए रखता है।

-इससे हमारी पाचन क्रिया सही रहती है, मेटाबॉलिज़्म हाई होता है साथ ही हम जो भी खाना खाते हैं वो हमारे शरीर को पूरा लाभ देता है। अब आपको लग सकता है कि खाने का लाभ पानी से कैसे मिलेगा... तो जबाव है मेटाबॉलिज़्म। यही तो हमारे शरीर को पोषित करने का काम करता है।

प्रोटीन का सेवन बढ़ाएं

-प्रोटीन से भरपूर चीजें जैसे दालें और साबुत अनाज खाने से हमारे शरीर को प्रोटीन की भरपूर मात्रा मिलती है। प्रोटीन शरीर के लिए जरूरी एक ऐसा तत्व है, जो हमारी भूख को कंट्रोल करने का काम करता है। अगर आपको लगता है कि आपको भूख अधिक लगती है तो अपने डॉक्टर से सलाह करने के साथ ही आपको प्रोटीन डायट बढ़ा देनी चाहिए।

-यहां हम प्रोटीन शेक की बात बिल्कुल नहीं कर रहे हैं। प्रोटीन डायट लेने से पेट ज्यादा देर तक भरा हुआ रहता है और हमें भूख कम लगती है। क्योंकि प्रोटीन हमारे शरीर में भूख बढ़ाने से संबंधित हॉर्मोन घ्रेलिन के प्रोडक्शन को कम कर देता है। प्रोटीन डायट में आप अंडा, सोयाबीन और प्रोटीन राइज जैसी चीजें ले सकते हैं। हां दाल और स्प्राउट्स को भूल मत जाना।

पाचनतंत्र को मजबूत बनाने का तरीका

-फूड एक्सपर्ट्स के अनुसार, सेब के सिरके का इस्तेमाल अपने फूड में करने से हमारा मेटाबॉलिज़्म बहुत ही मजबूत बनता है। जब मेटाबॉलिज़्म सही और फास्ट होता है तो वह एक्स्ट्रा फैट को हमारी बॉडी में स्टोर ही नहीं होने देता है।

-अगर आप फूड में इसका इस्तेमाल नहीं करते हैं तो हर दिन दो चम्मच सेब का सिरका पानी डायल्यूट करके खाने के बाद पीना शुरू कर दें। यह पाचन बेहतर करने के साथ ही आपका वेट भी कम करेगा। एक्सपर्ट्स की मानें तो सिर्फ इतना करके आप तीन महीने में 2 किलो से अधिक वेट लूज कर सकते हैं।

हेल्दी रहने का पुराना तरीका

-वेट घटाने का और बॉडी को फर्म करने का सबसे अच्छा तरीका है योग। अगर आप हर दिन योग की प्रैक्टिस करेंगे तो बेशक लंबे समय तक हेल्दी रहेंगे। हां, योग के साथ अपनी डायट पर जरूर ध्यान रखें। हेल्दी डायट लें और इस बात को सुनिश्चित करें कि आपको खाना खाए हुए 4 घंटे हो चुके हों।

-साथ ही योग करने के 1 घंटे बाद तक हैवी डायट ना लें। ऐसा करने से आपको खाने का भी पूरा पोषण मिलेगा और योग का भी पूरा फायदा मिलेगा। और इन दोनों ही चीजों का भरपूर फायदा लेने कि लिए आपको टाइमिंग का ध्यान रखना होगा।

माउथ फ्रेशनर के रूप में इस्तेमाल करें घर पर मौजूद ये चीजें, मुंह रहेगा तरोताजा

खाना खाने के बाद कई बार मुंह से बदबू आती है, इसलिए तरोताजा महसूस करने के लिए माउथ फ्रेशनर का सेवन किया जाता है। वैसे तो बाजार में कई तरह के स्वाद वाले माउथ फ्रेशनर आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन बाहर से खरीदी हुई चीज से अच्छा है कि आप प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल अधिक करें। आइये आज हम आपको घर पर मौजूद 5 ऐसी चीजें बताते हैं, जिन्हें आप माउथ फ्रेशनर के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

पुदीने की पत्तियों का करें सेवन

पुदीने का इस्तेमाल माउथ फ्रेशनर के रूप में किया जा सकता है। इसकी पत्तियों को चबाने से मुंह तरोताजा हो जाता है और इससे सांसों की दुर्गंध और खाने के बाद मुंह की दुर्गंध से भी छुटकारा मिलता है। इस कारण यह कई तरह के टूथपेस्ट में भी एक महत्वपूर्ण तत्व होता है। यह विटामिन- ए और सी, आयरन, मैग्नीशयम और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण से भरपूर होता है, जो मुंह में मौजूद गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मार सकते हैं।

गुलकंद भी आएगा काम

गुलकंद को गुलाब की पंखुड़ियों से बनाया जाता है, जिसमें मिठास के साथ खुशबू होती है। यह भोजन में स्वाद बढ़ाने के अलावा मुंह में ठंडक प्रदान कर सकता है, जिससे आपकी सांसें ताजा हो जाती हैं। इसके अलावा यह एसिडिटी, गैस और कब्ज जैसे पाचन संबंधी परेशानियों के इलाज में भी प्रभावी है। नियमित रूप से 2 चम्मच गुलकंद के सेवन से स्वास्थ्य को कई अन्य फायदे भी मिल सकते हैं।

लौंग भी है फायदेमंद

लौंग एंटी-बैक्टीरियल गुणों से समृद्ध होता है, जो मसूड़ों से खून आने और दांतों की सड़न जैसी कई मुंह की दिक्कतों से निजात दिलाने में मदद करता है। यह आपके मुंह के बैक्टीरिया को कम करने के साथ ही सांसों की बदबू और सूखेपन को भी दूर करता है। बेहतर परिणाम के लिए लौंग को चबाने की बजाय मुंह में रखकर चूसते रहिए। आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर लौंग के सेवन से ये फायदे भी मिलते हैं।

दालचीनी का करें इस्तेमाल

रसोई में मौजूद दालचीनी भी सांसों की बदबू को दूर करने में आपकी मदद कर सकती है। यह एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर है। यह मुंह में उन बैक्टीरिया से लड़ने में सक्षम होते हैं, जो दांतों को खराब और गंध पैदा कर सकते हैं। लौंग की तरह ही दालचीनी का एक छोटा-सा टुकड़ा अपने मुंह में रखें और इसे थूकने से पहले इसका रस अच्छे से चूस लें। दालचीनी से ये स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं।

तुलसी के पत्ते हैं कारगर

तुलसी का पौधा लगभग हर घर में आसानी से मिल जाता है क्योंकि बहुत लोग इस पौधे की पूजा करते हैं। आयुर्वेद में तुलसी का इस्तेमाल कई परेशानियों को ठीक करने के लिए किया जाता है, जिनमें से एक सांसों की दुर्गंध को दूर करना भी शामिल है। लाभ के लिए आप धूप में सुखाई गई तुलसी की पत्तियों के पाउडर से ब्रश कर सकते हैं या फिर इसकी कुछ ताजी पत्तियों को चबा सकते हैं।

पी एस सी संग्राम

राजशेखर चौबे

छत्तीसगढ़ सरकार ने आत्मानंद स्कूल जैसे अभिनव प्रयोग किए और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने हेतु सार्थक प्रयास किए लेकिन लोक सेवा आयोग के ताजा परीक्षा परिणाम ने इस किए कराए पर पानी फेर दिया है। कांग्रेस भी भाजपा की तरह पूर्व के परीक्षा परिणामों पर धांधली का आरोप लगा रही है। आजकल यह नया ट्रेंड चल पड़ा है, अपनी गलती छुपाने के लिए दूसरों की गलती गिनवाना। राज्य लोक सेवा आयोग छत्तीसगढ़ द्वारा चयनित सूची में जिम्मेदार अफसरों के रिश्तेदार, नेताओं के रिश्तेदार और अन्य अफसरों के रिश्तेदार की बहुतायत है। इस पर भाजपा की आपत्ति वाज़िब है। भारतीय जनता पार्टी भावनात्मक मुद्दों की चैंपियन है। उसके लिए महंगाई बेरोजगारी गरीबी से बढ़कर है अन्य भावनात्मक मुद्दे।इन मुद्दों को हमने कर्नाटक के पिछले चुनाव में फेल होते देखा है, शायद इससे ही सबक लेकर छत्तीसगढ़ में पी एस सी संग्राम का आयोजन 19 जून 2023 को रखा गया था। बंगलुरू के यशस्वी ऊर्जावान सांसद तेजस्वी सूर्या इस संग्राम के मुख्य आकर्षण थे।उन्होंने सुबह नालंदा परिसर में युवाओं से बातचीत की। उसके पश्चात आम सभा को संबोधित किया और सिलसिलेवार अपनी बात रखी। तत्पश्चात प्रदेश के युवाओं ने उनके नेतृत्व में मुख्यमंत्री निवास के घेराव का प्रयास किया। मुख्यमंत्री निवास को किले में तब्दील कर दिया गया था। चारों ओर खाइयों के बदले टिन की दीवार खड़ी कर दी गई थी। रायपुर लू की चपेट में है और पारा 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास था, हालांकि सियासी पारा और भी ऊपर चला गया था। रायपुर के चारों ओर के दस प्रमुख रास्ते सुबह 8ः00 से शाम 5ः00 बजे तक बंद करने से लोग काफी परेशान हुए। आम नागरिक खासकर बच्चे महिलाएं और बुजुर्गों ने इस सियासी जंग के दौरान घर के भीतर रहना पसंद किया। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के अपने पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर वर्ष 2023 में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।इस वर्ष चयनित लोगों की सूची इस बात का प्रमाण है। ऐसे लोगों का चयन करने वालों का पूर्व में चयन भी संदिग्ध है और उसकी भी जांच होनी चाहिए। छत्तीसगढ़ भाजपा ने शायद पहली बार किसी सार्थक मुद्दे को लेकर एक आंदोलन प्रारंभ किया है और यह एक स्वागत योग्य कदम है। हम सभी लोगों और खासकर युवाओं को इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। प्रदेश के युवाओं के लिए यह परीक्षा की घड़ी है। इस आंदोलन के प्रति उनका रुख ही उनका भविष्य तय करेगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि वे इस कसौटी पर खरे उतरेंगे।

जब सुना ही ना जाए!

कहा जाता है कि कई बार सिर्फ बात सुन लेने से बात बनने की राह निकल आती है। वरना, बातें मन में गुबार की तरह इकट्ठी होती जाती हैं और इनका कब, किस रूप में विस्फोट होगा, इसका अनुमान लगाना कठिन होता है।

मणिपुर के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों की मनोदशा का अंदाजा लगाया जा सकता है। खास बात यह कि इन प्रतिनिधियों में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के नेता भी शामिल हैं। डेढ़ महीने से हिंसा और शब्दशः आग से झुलस रहे इस राज्य के प्रतिनिधि अपनी व्यथा प्रधानमंत्री को बताने नई दिल्ली आए थे। यह बिल्कुल ही अविश्वसनीय महसूस होता है कि देश का एक राज्य अभूतपूर्व सामुदायिक हिंसा के लहूलुहान है और वहां के जन प्रतिनिधियों से मिलने भर का समय प्रधानमंत्री ना निकाल पाएं। कहा जाता है कि कई बार सिर्फ बात सुन लेने से बात बनने की राह निकल आती है। वरना, बातें मन में गुबार की तरह इकट्ठी होती जाती हैं और इनका कब, किस रूप में विस्फोट होगा, इसका अनुमान लगाना कठिन होता है। चूंकि प्रधानमंत्री से समय नहीं मिला, तो मणिपुर के नेता विभिन्न विपक्षी दलों के कार्यालयों में जाकर उन दलों के नेताओं से मिले। फिर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनमें से कुछ की मुलाकात हुई। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका यात्रा पर रवाना हो गए।

अनुमान लगाया जा सकता है कि मणिपुर के नेताओं के पहले से व्यथित मन पर इससे कैसा घाव लगा होगा। अब मणिपुर भाजपा के नौ विधायकों ने सार्वजनिक तौर पर कहा है कि राज्य की भाजपा सरकार लोगों का भरोसा खो चुकी है। यह बात पहले अन्य दलों के नेता और कुकी समुदाय के कार्यकर्ता कह रहे थे। क्या ऐसी परिस्थितयों भाजपा को अपने मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने के लिए नहीं कहना चाहिए? लेकिन बात घूम-फिर कर वहीं आ जाती है कि 卐भाजपा शासन में इस्तीफे नहीं होते।卐 स्पष्टतः यह इस पार्टी की जिद और एक सीमा तक अहंकार की झलक है। जो पार्टी पहले व्यक्ति से ऊपर संगठन और संगठन से ऊपर देश के होने की बात कहती थी, वह आज सबको यह संदेश देती लग रही है कि उसके पास वह ताकत है, जिसके सामने सबको नत-मस्तक रहना चाहिए। लेकिन सत्ताधारी का ऐसा रवैया समाज में ऐसे गतिरोध पैदा करता जाता है, जिसका नतीजा कभी अच्छा नहीं होता। इसलिए भाजपा को अपने इस नजरिए में तुरंत बदलाव लाना चाहिए। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्मी में ज्यादा देर मोजा पहनने से पैरों को हो सकता है नुकसान

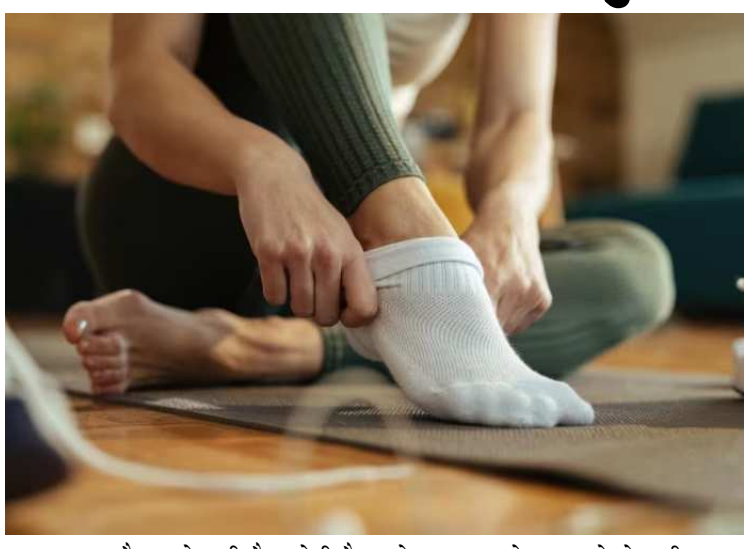

मौसम में बदलाव आते रहते हैं कभी ठंडी आती है तो कभी गर्मी कभी बारिश का मौसम आता है तो कभी पतझड़ का लेकिन अगर किसी चीज में बदलाव नहीं आता तो वह है रोज ऑफिस या स्कूल जाना। तो फिर चाहे सर्दी हो या गर्मी हर मौसम में व्यक्ति मोजा पहनता ही है। ऑफिस जाना हुआ तो मोजा, स्कूल जाना हुआ तो मोजा। हालांकि, बच्चे तो सिर्फ कुछ देर के लिए ही मोजा पहनते हैं लेकिन बड़े जो ऑफिस जाते हैं उन्हें दिन भर मोजा पहने रहना पड़ता है। लेकिन ज्यादा देर तक मोजा पहनना सेहत के लिए ठीक नहीं होता है, खासकर गर्मी में। अगर आप टाइट मोजा पहन रहें हैं तो इससे आपको और भी समस्याएं हो सकती हैं। आइए जानते हैं देर तक मोजा पहनने से क्या नुकसान हो सकता है। ज्यादा देर टाइट मोजा पहनने से पैरों में सूजन आने लगती है और ब्लड सर्कुलेशन कम होने लगता है। इससे बेचैनी और अचानक गर्मी लगने लगती है। पूरे दिन मोजा पहनने से पैरों में अकड़न भी हो सकती है और पंजा सुन्न भी पड़ सकता है।

गर्मी में लगातार मोजा पहनने से पैरों में पसीना आने लगता है जिससे पैर की स्किन खराब हो सकती हैं। कुछ लोग कॉटन के मोजे के बजाए सस्ता मोजा खरीद लेते हैं जिससे इसकी समस्या और बढ़ सकती है। जूते के अंदर तलवा बंद रहने से पसीना ज्यादा आता है, इससे नमी पैदा होती है। फंगल इंफेक्शन होने की समस्या बढ़ जाती है और पैरों की त्वचा खराब होने लगती है। ऐसे में मोजे की क्वालिटी का भी खास ध्यान रखें।

शरीर के किसी हिस्से में लिक्विड चीज का एक जगह जमना और उससे सूजन आना, एडीमा का लक्षण है। काफी देर तक एक ही मुद्रा में बैठे रहने या खड़े रहने से पैर सुन्न होने की शिकायत होती है। अगर ऐसा न होने के बावजूद पैर सुन्न हो रहे हों तो यह मोजे की गड़बड़ी का संकेत भी हो सकता है।

पैरों से निकलने वाला पसीना मोजा ही सोखता है। ज्यादा देर तक मोजा पहनने से या टाइट मोजा पहनने से पसीना सूख नहीं पाता है। इसकी वजह से मोजे में बैक्टीरिया पैदा हो जाते हैं जिससे फंगल इंफेक्शन हो सकता है।

ज्यादा टाइट मोजे पहनने से वेरिकोज वेंस की समस्या हो सकती है। जिन्हें यह रोग पहले से है, उन्हें मोजे पहनते समय खास सावधानी बरतनी चाहिए वरना स्थिति और भी बिगड़ सकती है।

मोजे खरीदते वक्त आपको ध्यान रखना चाहिए कि ये सूती हों। आजकल ब्रेथेबल मोजे भी आने लगे हैं। फूटपाथ पर बिकने वाले सस्ते मोजे आपको कई तरह की समस्या दे सकते हैं। इसलिए आपको अच्छे मोजे पहनने चाहिए साथ ही बहुत टाइट या बहुत ज्यादा देर तक मोजे नहीं पहनने चाहिए। रात को मोजा पहनकर ना सोएं

रात में सोने से पहले मोजा उतारकर सोएं नहीं तो हो सकती है कुछ गंभीर समस्या जैसे मोजा पहनकर सोने से आप हाइ ब्लड प्रेशर का शिकार हो सकते हैं। रात में मोजा पहनकर सोने से पैरों की हाइजीन खराब हो सकती है। टाइट मोजा रात भर पहनने से स्किन इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। देर तक टाइट मोजा पहनने से शरीर गर्म हो सकती है और अजीब सी बेचैनी महसूस कर सकते हैं। मोजा पहनकर आप सुकून भरी नींद नहीं ले पाएंगे। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -064

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

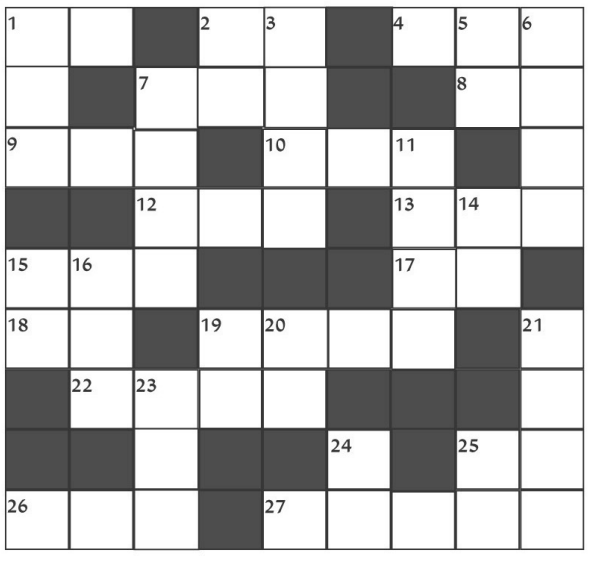

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 63 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	मी	■	ना	श्य	
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

बिग बॉस ओटीटी 2 कंटेस्टेंट बेबिका धुर्वे ने क्यों छोड़ा भाग्यलक्ष्मी ?

एक्ट्रेस बेबिका धुर्वे इन दिनों बिग बॉस ओटीटी 2 के घर में हैं। शो में एक्ट्रेस ने पहले हफ्ते में ही बॉन्ड क्रिएट कर लिया है और फ्रेंड्स भी बना लिए हैं। यहां एक्ट्रेस ने भी बताया कि कैसे वो डेंटिस्ट बनी और उन्हें संयुक्त अरब अमीरात में जॉब ऑफर हुई थी। बता दें कि बेबिका ने रोहित सुचांती और ऐश्वर्या खरे स्टारर शो भाग्यलक्ष्मी से डेब्यू किया था। हालांकि, इस शो में उन्होंने काफी कम समय के लिए काम किया था और शो छोड़ दिया था। शो में जाने से पहले एक्ट्रेस ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में बताया था कि आखिर उन्होंने ये शो क्यों छोड़ा था। बेबिका बातचीत में कहा, शो के साथ मेरा एक्सपीरियंस काफी एडवेंचर्स रहा है। शो मिलना मेरे लिए काफी मुश्किल जर्नी थी। ये शो मिलने से पहले मैं तीन 3 साल तक ऑडिशन दे रही थी। जब मैं सेट पर गई तो ये मेरे लिए काफी नया था। मैं एक्टिंग के बारे में सीख रही थी और ऑनस्क्रीन जाना मेरे लिए पहली बार था।

आगे उन्होंने कहा, मेरी लाइफ में ऐसा फेज भी आया जहां मेरे कुछ को-स्टार्स ने मेरे साथ खराब व्यवहार किया और मेरा वहां बुरा एक्सपीरियंस रहा। तो शो छोड़ने का कारण बिग बॉस ओटीटी 2 नहीं था, बल्कि वो खराब ट्रीटमेंट था जो सेट पर शो की कास्ट और क्रू ने मेरे साथ किया। बिग बॉस के घर के अंदर बेबिका अपने दोस्तों और को-एक्टर्स में से किसे लेकर जाना चाहती हैं? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैं भाग्यलक्ष्मी से अपनी दादी को ले जाऊंगी, वो एंटरटेनिंग और फनी हैं। हम पूरे दिन मजेदार बातें कर सकते हैं और साथ में फैंस को बहुत सारा एंटरटेनमेंट दे सकते हैं।

अमेजन प्राइम वीडियो पर फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 2 का हिंदी संस्करण ने भी दी दस्तक

निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन दुनियाभर में 500 करोड़ रुपये से अधिक बटोरने में सफल रही। हालांकि, पोन्नियिन सेल्वन 2 बॉक्स ऑफिस पहले भाग जैसा कमाल नहीं दिखा सकी। इसने दुनियाभर में 350 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था। जहां 2 जून को पोन्नियिन सेल्वन 2 तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था, वहीं अब इसका हिंदी संस्करण भी ओटीटी पर दस्तक दे चुका है।

अमेजन प्राइम वीडियो ने अपने आधिकारिक ट्विटर पर पोन्नियिन सेल्वन 2 का पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, इस पौराणिक गाथा के अगले अध्याय से मंत्रमुग्ध होने के लिए तैयार रहें, अब हिंदी में। पोन्नियिन सेल्वन कल्कि कृष्णमूर्ति के उपन्यास पर आधारित है, जिसमें ऐश्वर्या राय, ऐश्वर्या लक्ष्मी और तृषा समेत अन्य कलाकार हैं। गौरतलब है कि पोन्नियिन सेल्वन 1 भी अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। पहला भाग 30 सितंबर, 2022 को रिलीज हुआ था।

मलाइका अरोड़ हर लुक से फैंस के दिलों पर चला रही हैं खंजर

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा आए दिन अपने हॉट और स्टाइलिश अंदाज के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी लेटेस्ट सुपरबोल्ड अदाओं से इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग लुक्स और ग्लैमरस नजर आ रही हैं। मलाइका अरोड़ा हमेशा अपने हॉट लुक्स से फैंस का दिल मचल देती हैं। हालांकि फैंस भी उनके स्टाइल को देखकर हमेशा आहें भरने लगते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका सुपरबोल्ड अंदाज इंटरनेट पर कहर बरपा रहा है। एक्ट्रेस ने अपने इस आउटफिट को पहनकर बेहद ही सेक्सी पोज देते हुए तस्वीरें क्लिक करवाई हैं। बताते चलें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर तेजी से लोगों के बीच वायरल होने लगती हैं। मलाइका अरोड़ा ने अपनी इन फोटोशूट के दौरान ब्लू कलर की डीपनेक ड्रेस पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपनी इन तस्वीरों में डीपनेक क्लीवेज फ्लॉन्ट करती हुई फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कैमरे के सामने मलाइका ने जमकर अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करते हुए फैंस के होश उड़ा दिए हैं। बालों का बन बनाकर, गोल्डन ज्वेलरी और सेटल मेकअप कर के एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

एक्शन थ्रिलर फिल्म कोई शक में नजर आएंगे शाहिद कपूर

शाहिद कपूर अपनी फिल्म ब्लडी डैडी को लेकर सुर्खियों में हैं तो बीते दिनों उन्होंने मलयालम निर्देशक रोशन एंड्रयूज के साथ भी एक फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। अभिनेता एंड्रयूज की अगली एक्शन थ्रिलर फिल्म कोई शक में नजर आएंगे, जिसके लिए कहा जा रहा है कि उन्होंने अपनी फीस भी कम की है। खबर थी कि फिल्म पृथ्वीराज सुकुमारन की मुंबई पुलिस की रीमेक होगी, लेकिन अब यह बात साफ हो गई है कि यह ओरिजनल फिल्म होगी।

सूत्र के अनुसार, कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि शाहिद की कोई शक मुंबई पुलिस की रीमेक है, जो सच नहीं है। यह पूरी तरह से एक ओरिजनल कहानी होगी। सूत्र ने कहा, फिल्म से जुड़ी चीजें अभी प्रारंभिक अवस्था में हैं। कास्ट और स्क्रिप्ट तय हो चुकी है, लेकिन एंड्रयूज अभी ज्यादा कुछ बताना नहीं चाहते और इसलिए सब छुपा रहे हैं। शूटिंग शुरू होने के बाद इससे जुड़ी जानकारी सामने आएंगी।

बीते महीने जी स्टूडियो की ओर से फिल्म की घोषणा की गई थी। इस फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ रॉय कपूर जी स्टूडियोज के साथ मिलकर करने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग इस साल की दूसरी छमाही में शुरू की जाएगी और 2024 में यह दर्शकों के बीच लाने के लिए तैयार हो जाएगी। कहा जा रहा है कि यह फिल्म एक हाई-प्रोफाइल मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी के जीवन पर आधारित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहिद ने कोई शक के लिए अपनी फीस भी कम की है। उन्होंने कोई शक के लिए 25 करोड़ रुपये फीस ली है। हालांकि,अभिनेता की ओर से इस बारे में कोई बयान नहीं दिया गया है।

निर्देशक एंड्रयूज कोई शक के जरिए बॉलीवुड में कदम रखने वाले हैं और इसको लेकर वह काफी उत्सुक हैं। वह मलयालम के बेहतरीन निर्देशकों में शुमार हैं, जो 3 केरल स्टेट फिल्म पुरस्कार और 2 फिल्मफेयर पुरस्कार अपने नाम कर चुके हैं। इसके अलावा शाहिद भी जी स्टूडियोज और सिद्धार्थ के साथ काम करने के उत्साहित हैं। शाहिद इससे पहले दोनों के साथ 2014 में आई हैदर और 2009 में आई कमीने में काम कर चुके हैं।

शाहिद की हालिया रिलीज ब्लडी डैडी जियो सिनेमा पर मुफ्त में दिखाई जा रही है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं और इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही हैं। अब शाहिद कृति सैनन के साथ एक अनटाइटल्ड रोमांटिक फिल्म में नजर आएंगे, वहीं कोई शक में उनके साथ पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा अभिनेता के पास 3 फिल्में और हैं, जिसके बारे में अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

अक्षय कुमार की फिल्म द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू 5 अक्टूबर को रिलीज होगी

अक्षय कुमार स्टारर द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू की रिलीज डेट फाइनल हो गई है। निर्माताओं द्वारा नवीनतम अपडेट के अनुसार, फिल्म, जिसे पहले कैप्सूल गिल नाम दिया गया था, इस साल 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी और अजय कपूर ने किया है जबकि इसका निर्देशन टीनू सुरेश देसाई ने किया है।

द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू पूर्व अतिरिक्त मुख्य खनन अधिकारी स्वर्गीय जसवंत सिंह गिल की वास्तविक घटना पर आधारित

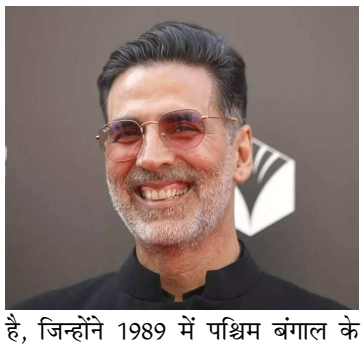

है, जिन्होंने 1989 में पश्चिम बंगाल के रानीगंज में बाढ़ वाली कोयला खदान में फंसे 65 लोगों की जान बचाई थी। निर्माताओं ने इसे यॉर्कशायर में पिछले साल शूट किया है। फिल्म में अक्षय गिल का किरदार निभाते नजर आएंगे, जबकि इसमें परिणीति चोपड़ा भी अहम भूमिका में हैं।

5 अक्टूबर को रिलीज की तारीख के रूप में चुनकर, निर्माताओं ने यह सुनिश्चित किया है कि द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू को कम से कम अब तक एक एकल रिलीज मिलेगी, क्योंकि उस दिन कोई अन्य बॉलीवुड फिल्म रिलीज होने की उम्मीद नहीं है। वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर बवाल एक दिन बाद 6 अक्टूबर को रिलीज होगी लेकिन वह फिल्म सीधे ओटीटी पर आएगी। टीनू सुरेश देसाई की आखिरी फिल्म रुस्तम (2016) में भी अक्षय कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

दबंग 4 : सलमान खान ने ठुकरा दी तिग्मांशु धूलिया की कहानी

पिछले काफी समय से दर्शक सलमान खान की सुपरहिट फ्रेचाइजी दबंग के चौथे भाग का इंतजार कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले खबर आई कि फिल्म की कहानी पर काम चल रहा है, जिसके बाद अभिनेता के प्रशंसक खुशी से झूम उठे थे। हालांकि, अब जो खबर आ रही है, उससे सलमान के प्रशंसक निराश हो जाएंगे। दरअसल, सलमान ने निर्देशक तिग्मांशु धूलिया की दबंग 4 की कहानी ठुकरा दी है क्योंकि यह उनकी कसौटी पर खरी नहीं उतरी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान दबंग 4 की कहानी से कतई खुश नहीं हैं। उन्होंने फिल्म की कहानी लिखने की जिम्मेदारी तिग्मांशु को सौंपी थी। निर्देशन की कमान भी उन्हीं के हाथ में थी। अब जबकि निर्देशक ने कहानी पूरी कर सलमान को सुनाई तो वह इससे संतुष्ट नहीं हुए। अभी फिल्म की बागडोर तिग्मांशु के हाथ में ही रहेगी या उन्हें फिर से कहानी पर काम करने के लिए कहा गया है, फिलहाल यह जानकारी नहीं मिली है।

तिग्मांशु ने साहेब बीवी और गैंगस्टर और पान सिंह तोमर जैसी शानदार फिल्में निर्देशित की हैं। इरफान खान अभिनीत पान सिंह तोमर को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला था। तिग्मांशु की फिल्म साहेब बीवी और गैंगस्टर रिटर्न्स भी सफल रही थी।

दबंग का निर्देशन अनुराग कश्यप के भाई अभिनव कश्यप ने किया था। 2010 में आई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। फिर कश्यप के साथ कुछ मतभेद हो जाने के कारण फिल्म के दूसरे भाग का निर्देशन अरबाज खान ने किया था। यह भी 200 करोड़ी बनी थी। इसके बाद दबंग 3 के निर्देशन का काम प्रभु देवा ने संभाला था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गई थी।

पिछले साल नवंबर में निर्माता-निर्देशक अरबाज ने कहा था, फिल्म पर काम चल रहा है, लेकिन इसे बनाने के लिए मुझे और सलमान को अपनी-अपनी फिल्मों से थोड़ा फ्री होना होगा। अरबाज ने कहा था कि दबंग 4 को रिलीज करने में उतना वक्त नहीं लगेगा] जितना दबंग 2 और दबंग 3 में लगा था। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही अपने-अपने काम निपटाएंगे और फिर दबंग-4 में जुट जाएंगे क्योंकि यह फिल्म उनके दिल के काफी करीब है।

दबंग के साथ सलमान ने इतिहास रचा था। पहली बार दर्शकों ने उन्हें एक साथ कॉमेडी, ड्रामा और एक्शन करते देखा था। यही वजह थी कि चुलबुल पांडे (सलमान) के आते ही दर्शकों ने उसके सिर पर बॉक्स ऑफिस किंग का ताज पहना लिया था। दबंग में सलमान के साथ सोनाक्षी सिन्हा को देखा गया था। सोनाक्षी इमें रज्जो की भूमिका में थीं। फिल्म में चुलबुल और रज्जो की केमिस्ट्री देखने लायक थी। दोनों की जोड़ी सुपरहिट हुई थी।

आजादी की हसरत लिए डुबते लोग!

श्रुति व्यास

दूर के ढोल के अलावा, दूर की घास भी अक्सर ज्यादा सुहावनी लगती है, खासकर तब जब आप पश्चिम की ओर देख रहे हों। वह चमकदार लगती है। वह खुशनुमा लगती है और लगता है मानों वो आपको बुला रही हो। उस तरफ का घास का मैदान बड़ा और खुला-खुला सा लगता है। जाहिर है इस खुलेपन में आज़ादी शामिल होती है।'आज़ादी' - वाह, सोचे, इस शब्द पर। कितनी तरह के मतलब हैं?'आजादी' का शब्द उम्मीद जगाता है, मोहित करता है।तानाशाही, शैतानी सरकारों से आजादी, कठोर कानूनों से आजादी, असुरक्षा से आजादी, डर से आजादी तथा खुलकर सांस लेने की आजादी। मतलब ऐसा जीवन जीने की आजादी जिसका कोई अर्थ हो तथा जिसमें खुशी हो। हर साल इस मोहक सपने में डूबे और सम्मोहित गरीब और दमित देशों से कई लोग यूरोप और ब्रिटेन की अपेक्षाकृत आजाद धरती की ओर कूच करनते हैं।

शेक्सपियर के हेमलेट में क्लोडिअस कहता है, दु:ख जब आता है तो वह अकेले सिपाही की तरह नहीं आता, वह बटालियनों में आता है। और यह अनुभव आजाद दुनिया में जाने के लिए फडफाडते लोगोंका भी है। कितनी तरह की तकलीफों से ये गुजरते हैं। ये लोग (इन्हे शरणार्थी कहें या आजादी परस्त?) घने जंगलों, ऊंची लहरों वाले विशाल महासागरों को पार करते हैं। वे घने अंधेरे में, एक दूसरे के ऊपर बैठकर, भूखे, प्यासे, परेशान और डरे हुएभयावह सफर करते हैंनतीजे में कई बार उन्हें आजादी हासिल हो जाती है तो कई बार मौत उन्हें जिंदगी की सभी परेशानियों से आजाद कर देती है।

पिछले हफ्ते इस तरह का एक बड़ा हादसा देखा। एक मछली पकड़ने वाली नाव, जिसमें किसी भी तरह यूरोप पहुँचने के इच्छुक लोगों को भेड़-बकरियों की तरह भरा गया था, ग्रीस के तट के पास डूब गई। इस दुर्घटना में कम से कम 500 लोगों की मौत हुई या गहरे सागर में लापता हैं। ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस हादसे में 300 पाकिस्तानी मारे गए जो अपने देश में गरीबी और अस्थिरता के हालात से आज़ादी पाने का रास्ता ढूंढ रहे थे। चकनाचूर हो चुकी इस नीली नौका की आसमान से ली गई एक तस्वीर ग्रीस के तटरक्षक बल ने जारी की है। इसमें साफ नजर आ रहा है कि ढेर सारे लोग इस नाव की एक-एक इंच जगह पर बैठे हुए थे। इस तस्वीर ने तीन साल के उस सीरियाई बच्चे की तस्वीर की यादें ताज़ा कर दीं है जो अपने परिवार के साथ इस्लामिक राष्ट्र सीरिया से भागकर यूरोप के स्वर्ग में जाने का प्रयास कर रहा था।

अफ्रीका, मध्यपूर्व और एशिया के गरीब देशों से यूरोप की ओर आने वाले प्रवासियों या शरणार्थियों की संख्या सन् 2015 से लगातार बढ़ती जा रही है। बताया जाता है कि पिछले 8 सालों में 10 लाख से ज्यादा नए लोग यूरोप में आ चुके हैं जिससे इस महाद्वीप की तस्वीर बदल रही है। सन् 2017 में 'द इकोनॉमिस्ट' ने आंकड़ों और ग्राफ के जरिए प्रवासियों के आगमन के सकारात्मक पहलुओं पर प्रकाश डाला था। उसने लिखा था, 卐प्रवासियों के कारण राजनैतिक परेशानियां तो हो सकती हैं लेकिन यदि हम अपनी अर्थव्यवस्थाओं को सिकुड़ने से बचाना चाहते हैं तो हमें और ज्यादा प्रवासियों की जरूरत होगी卐।और जनता के दिमाग में समुद्र में डूबे सीरियाई बच्चे की तस्वीर कुछ इस तरह बैठ गयी थी कि यूरोपीय संघ और उसके देशों को प्रवासियों के लिए अपने दरवाजे खोलने पड़े। अकेले जर्मनी ने दस लाख से ज्यादा शरणार्थियों को अपने देश में आने दिया।

लेकिन हालिया समय में सब बदल गया है। लोकलुभावन नेता शरणार्थियों का स्वागत करने को तैयार नहीं हैं। रूस से लड़ाई शुरू होने के बाद से अब तक करीब 50 लाख यूक्रेनी यूरोपियन यूनियन में आ चुके हैं जिनकी शरणार्थियों की तरह देखभाल की जा रही है। इसके चलते यूरोप और यूके में प्रवासियों को लेकर कड़ी नीतियां अपनाई जा रही हैं और इनके लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं। यूरोपीय सरकारें सोच रही हैं कि इन गरीब और हताश लोगों से अपने धनी महाद्वीप को बचाने के लिए क्या किया जाना चाहिए? स्वीडन की अध्यक्षता में इयू ने अवैध प्रवास को मुख्य मुद्दा बना लिया है। सभी सदस्य राष्ट्रों द्वारा शरणार्थियों का बोझा बराबर-बराबर उठाने की कोई व्यवस्था नहीं है। नतीजे में सीमाओं पर इनके साथ होने वाला व्यवहार पहले कहीं अधिक कठोर हो गया है और इन्हें गैरकानूनी तरीकों से वापस भेजने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

हंगरी, क्रोएशिया और रोमानिया में योरोपीय संघ के कानूनों और संयुक्त राष्ट्र संघ के कायदों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। प्रवासियों को कड़कड़ाती ठंड में देशों की सीमाओं के बीच रहने के लिए बाध्य किया जा रहा है। इटली में जिओर्जिया मेलोनी की नई सरकार ने भूमध्य सागर में शरणार्थियों को ढूंढकर उन्हें बचाने वाले एनजीओ के लिए समस्याएं खड़े करने वाले कानून बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ब्रिटेन ने अवैध प्रवासियों को रवांडा भेजने की जो नीति बनाई है, भले ही उसको लागू करना मुश्किल हो रहा हो, परन्तु ऑस्ट्रिया जैसे देश कह रहे हैं कि ईयू को भी ऐसा ही कुछ करना चाहिए।

यह निश्चित है कि कड़े कानूनों, बंद दरवाजों और आजादी की घटती उम्मीदों के बावजूद अधिकाधिक शरणार्थी यूरोप के तटों पर आते रहेंगे और इससे तनाव बढ़ता रहेगा। अफगानी और सीरियाई अपने-अपने देशों के निराशाजनक हालात के चलते अभी भी अपने देश छोड़ रहे हैं। उनके साथ जुड़ रहे हैं एशियाई और अफ्रीकी जो यूक्रेन युद्ध के कारण खाद्य पदार्थों और इंधन की बढ़ती कीमतों के चलते गरीबी के जाल में फंस गए है।

आंकड़ों के अनुसार जनवरी से मार्च के दौरान 675 भारतीय वर्क वीजा प्रतिबंधों से बचने के लिए छोटी नावों के जरिए यूके में आए। दमनकारी राजनैतिक परिदृश्य के साथ-साथ क्लाइमेट चेंज के चलते भी अधिकाधिक लोग अपनी तकदीर आजमाएंगे। इसमें कोई शक नहीं कि इस दौरान यूरोप, यूके और अमेरिका में प्रवास एक बड़ा चुनावी मुद्दा बन जाएगा जो बड़ी चुनावी जीतों और हारों का कारण बनेगा। आने वाले समय में प्रवासियों के लिए क़ानूनी प्रक्रिया के निर्धारण और यूरोप की सीमाओं के बाहर अधिक आर्थिक सहायता पहुंचाने की जबरदस्त वकालत की जाएगी। लेकिन तब तक आजादी की हसरत में अधिकाधिक प्रवासी अवैधानिक ढंग से भूमध्य सागर पार करते रहेंगे। हमारे दिलोदिमाग में ऐसी कई और डरावनी तस्वीरें अंकित होती रहेंगीं। समस्या गहराएगी और बिगड़ेगी और यह मानवीय आपदा उन मानवीय आपदाओं पर भारी पड़ेगी जो हम अपनी ताकत बढ़ाने के लिए रोजाना पैदा करते हैं।

मौसम क्यों बना जानलेवा?

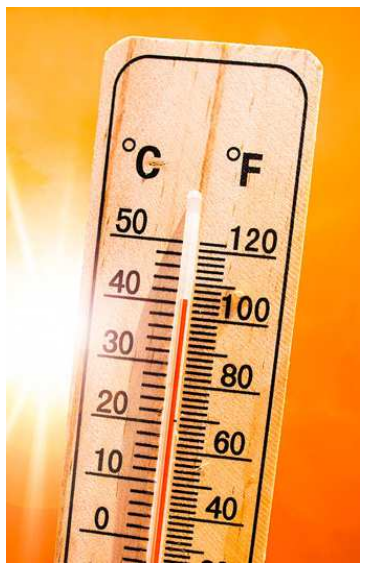

सवाल है कि गरमी से मौतें क्यों हुईं। हकीकत यह है कि अपने देश में असामान्य मौसम को लेकर आम जन को पहले से सचेत करने का कोई प्रभावी सिस्टम नहीं है। ना ही चिकित्सा व्यवस्था का दुरुस्त तंत्र है।

यह पुरानी समझ है कि अक्सर लोगों की मौत अत्यधिक गरमी या ठंड से नहीं, बल्कि उनकी गरीबी के कारण होती है। जिन लोगों को पूरा पोषण मिलता है और जिनके रहने की उचित व्यवस्था रहती है, वे प्रकृति के ऐसे कहर का कम ही शिकार होते हैं। इसलिए इस समय खासकर उत्तर प्रदेश और बिहार में गरमी के कारण मौतों को जो खबरें चर्चित हैं, उन्हें इस बड़े संदर्भ में देखा जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश और बिहार में भीषण गर्मी से बीते कुछ दिनों में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। यूपी के बलिया जिले में बढ़ते तापमान के बीच पिछले पांच दिन में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है और लगभग 400 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। ये खबरें ज्यादा चर्चा में नहीं आतीं, अगर यूपी सरकार गर्म हवाओं को इन मौतों का कारण मानने से इनकार नहीं करती।

चूंकि बलिया जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक दिवाकर सिंह ने मौतों का कारण गर्म हवाओं को बताया था, इसलिए उनका तबादला कर दिया गया। ऐसे में यूपी सरकार के रुख से यह सवाल उठा है कि अगर गर्मी नहीं, तो फिर इतनी बड़ी संख्या में असामान्य मौतों का कारण क्या है? यूपी सरकार ने जिले में हुई मौतों की जांच के लिए निदेशक स्तर के दो अफसरों की टीम गठित की है। अब जांच टीम किस निष्कर्ष पर पहुंचती है, यह जानने के लिए हमें इंतजार करना पड़ेगा। लेकिन यह खुद सरकारी अधिकारियों ने कहा है कि ज्यादातर मरे लोग 60 साल से अधिक उम्र के थे। बहरहाल, यह सच है कि बलिया सहित पूरे यूपी में इस बार असामान्य गरमी पड़ी है। उधर बिहार में भी भीषण गर्मी के कारण कई लोगों की मौत की खबरें हैं। तो बात घूम-फिर कर यहीं आ जाती है कि गरमी से मौतें क्यों हुईं। हकीकत यह है कि अपने देश में असामान्य मौसम को लेकर आम जन को पहले से सचेत करने का कोई प्रभावी सिस्टम नहीं है। ना ही चिकित्सा व्यवस्था का दुरुस्त तंत्र है। ऐसे में थोड़ा भी असामान्य मौसम अगर जानलेवा बन जाता है, तो उसमें हैरत की कोई बात नहीं है। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.064

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.63 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

बात हुई, यही काफी

अमेरिका और चीन ने एक दूसरे को अपनी शिकायतें बताईं। इसके बाद भी दोनों पक्ष बातचीत जारी रहने पर सहमत हुए, तो इसे इसी बात का संकेत माना जाएगा कि 'दो टूक' वार्ता से बात बिगड़ी नहीं।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन की चीन यात्रा से क्या कोई ठोस नतीजा निकला, यह कहना कठिन है। बहरहाल, दुनिया की दोनों महाशक्तियों के बीच बातचीत हुई, यह भी कोई कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। कूटनीति की दुनिया में कहा जाता है कि बातचीत तब जरूरी नहीं होती है, जब दो देशों में रिश्ते अच्छे हों- बल्कि इसकी अनिवार्यता तब होती है, जब संबंधों में टकराव बढ़ रहा हो। ऐसे में इस पर ही राहत महसूस की गई है कि ब्लिंकेन चीन गए और वहां चीन के विदेश मंत्री चिन गांग, टॉप डिप्लोमैट वांग यी और आखिर में राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक दूसरे सामने 'दो टूक' ढंग से एक दूसरे से अपनी शिकायतें बताईं और साथ ही एक दूसरे को अपनी अपेक्षाओं से भी अवगत कराया। इसके बाद दोनों पक्ष बातचीत जारी रहने पर सहमत हुए, तो इसे इसी बात का संकेत माना जाएगा कि 'दो टूक' वार्ता से बात बिगड़ी नहीं। दोनों ही देशों ने अपनी विज्ञप्तियों में कहा है कि वार्ता 'ठोस और रचनात्मक रही'। तो अब चीन के विदेश मंत्री वॉशिंगटन जाएंगे।

इस तरह दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ती होड़ के बीच किसी 'गहलतफहमी' के कारण कोई 'हादसा' ना हो जाए, इसे सुनिश्चित करने का तंत्र बनाने पर विचार-विमर्श जारी रहेगा। बीजिंग वार्ता में इसी मकसद से अमेरिका ने दोनों देशों की सेनाओं के बीच संवाद का तंत्र बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे चीन ने ठुकरा दिया। इसकी वजह संभवत: यह है कि चूंकि अमेरिका की राय में चीन में सैनिक और असैनिक प्रशासन के बीच कोई विभाजन रेखा नहीं है, तो फिर उससे सैन्य स्तर पर अलग से वार्ता का कोई तर्क नहीं बनता। बहरहाल, यह आकलन दोनों ही तरफ है कि दोनों देशों के बीच टकराव की वजहें बुनियादी हैं, और चूंकि दोनों में से कोई देश अपने बुनियादी मकसद पर समझौता करने को तैयार नहीं है, इसलिए दोनों देशों की होड़ को रोकना संभव नहीं है। ऐसे में कूटनीति का उद्देश्य सिर्फ 'हादसों' को टालने भर रह गया है। कहा जा सकता है कि बीजिंग वार्ता से उस दिशा में एक शुरुआत हुई है। (आरएनएस)

मेडिकल कालेज खोलने की मांग को लेकर किशोर ने लिखा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र

हमारे संवाददाता

टिहरी। विधायक किशोर उपाध्याय ने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर प्राथमिकता के आधार पर नई टिहरी में मेडिकल कालेज स्थापना हेतु आग्रह किया गया। जिस पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा इस पर जल्द विचार करने का आश्वासन दिया गया है। टिहरी भाजपा विधायक किशोर उपाध्याय द्वारा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मांडवीया से दिल्ली में भेंट के दौरान टिहरी जिले में मेडिकल कालेज की स्थापना करने हेतू अनुरोध किया गया था। जिसके लिए उनके द्वारा पत्र लिखकर भी मांग की गयी। जिस पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडवीया ने उपाध्याय को पत्र लिखकर इस पर विचार करने का आश्वासन दिया गया है। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने कहा कि टिहरी की विशेष परिस्थितियों के आलोक में उनके आग्रह को मंजूरी प्रदान की जाय। कहा कि मेडिकल कालेज हेतु निशुल्क भूमि की व्यवस्था कर दी गई है। जिस पर जन आशाओं के अनुरूप जल्द मेडिकल कालेज की स्थापना करायी जाये।

दो कारों की भिडंत में समीक्षा अधिकारी व पत्नी घायल

संवाददाता

देहरादून। दो कारों की भिडंत में सचिवालय के समीक्षा अधिकारी व उनकी पत्नी घायल हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिवालय में वित्त अनुभाग के समीक्षा अधिकारी रमेश चंद्र जोशी अपनी पत्नी के साथ हरिद्वार से दून की तरफ अपनी वेगनआर कार से आ रहे थे। जब वह लच्छीवाला फ्लाईओवर पर पहुंचे तो सामने से आ रही वेगन आर कार ने उनकी कार में टक्कर मार दी जिससे समीक्षा अधिकारी व उनकी पत्नी गम्भीर रूप से घायल हो गये।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शीतला कालोनी खुशहालपुर निवासी राकेश कुमार ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आम जनमानस के लिए सिविल कोड नहीं महंगाई बड़ा मुद्दा:रविन्द्र आनंद

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता रविन्द्र आनंद ने कहा कि आम जनमानस के लिए सिविल कोड नहीं महंगाई बडा मुद्दा है।

आज आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सिंह आनंद ने एक बयान जारी कर कहा कि आम जनमानस के लिए सिविल कोड उतना बड़ा मुद्दा नहीं है जितना बड़ा मुद्दा इस वक्त महंगाई का है। उन्होंने कहा कि आज साग-सब्जियों, दालों, घी , तेल के रेट आसमान छू रहे हैं और आम आदमी का जीना इस महंगाई में दूभर हो गया है। उन्होंने कहा कि खासकर लोअर मिडिल क्लास और मिडिल क्लास जोकि अपने जीवन की जरूरतों को पूरा करके बमुश्किल जीवन यापन कर रहा है उसके लिए इस दौर में आसमान छूती कीमतों ने एक विकट समस्या खड़ी कर दी है। उन्होंनें कहा कि कहीं ऐसा तो नहीं कि राज्य सरकार महंगाई की ओर से जनता का ध्यान भटकाने के लिए सिविल कोड को चर्चा का विषय बनाए हुए हैं जिससे लोगों में महंगाई की बात ना हो और सरकार की नाकामियों और गलत नीतियां छुपी रहे।

यूसीसी से महिलाओं को मिलेगी...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

अपनी पढ़ाई बीच में ही नहीं छोड़नी पड़ेगी तथा उनकी सोच समझ भी शादी के समय पहले से अधिक परिपक्व होगी यह अलग बात है कि यूसीसी के नए कानून का क्या प्रारूप होगा इसकी सही जानकारी इसका मसौदा सामने आने पर ही हो सकेगा। लेकिन महिलाएं इससे बड़ी उम्मीद लगाए जरूर बैठी हैं। वहीं भाजपा की नजर महिला वोट बैंक पर है।

2025 तक श्री अन्न का उत्पादन दुगना किया जायेगा: जोशी

संवाददाता

देहरादून। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि वर्ष 2025 तक श्री अन्न का उत्पादन दोगुना किया जाय तथा साथ ही साथ किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त हो सके।

आज यहां प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी कैम्प कार्यालय हाथीबडकला, देहरादून में भारत सरकार द्वारा किसानों के कल्याण के लिए भूमि की उत्पादकता को पुनर्जीवित करने और खाद्य सुरक्षा एवं पर्यावरण स्थिरता की योजनाओं के सम्बन्ध में प्रेस कान्फ्रेंस की गई है। उन्होंने कहा रसायनिक फर्टिलाइजर के उपयोग को कम कर मृदा स्वास्थ को बेहतर करने हेतु पीएम प्रनाम योजना प्रारंभ की गई है। उन्होंने कहा भारत सरकार की ओर से जो पैसा मिलेगा उसका उपयोग अपने राज्य के विकास में भी कर पाएंगे। उन्होंने कहा विशेष बजट का तीसरा भाग में ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर्स को बढ़ावा देने के लिए मार्केट डेवलपमेंट एसिस्टेंस (सीसीईए) योजना के अंतर्गत गोबर्धन स्कीम के द्वारा 500 नए वेस्ट टू वेल प्लांट्स लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा उर्वरक की कम खपत से किसानों की लागत घटेगी। प्रीमियम यूरिया कम सल्फर वाली मिट्टी के लिए वरदान साबित हो सकता है। जोशी ने कहा उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया से अनुरोध किया कि प्रदेश में 04 से 17 जुलाई, 2023 कांवड यात्रा प्रारम्भ होने कारण यातायात बाधित रहेगा इस लिये प्रदेश में 01 रेक यूरिया 2700 मैट्रिक टन की आपूर्ति हरिद्वार जिले में 04 जुलाई, 2023 से पहले करने का आग्रह किया है। जिसपर उन्होंने शीघ्र ही मामले में कार्यवाही का भरोसा दिलाया है। उन्होंने बताया कि मिलेट्स रिसर्च इंस्टिट्यूट, हैदराबाद द्वारा उत्तराखण्ड में उत्पादित मिलेट्स को सर्वश्रेष्ठ माना गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि वर्ष 2025 तक श्री अन्न का उत्पादन दोगुना किया जाय तथा साथ ही साथ किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि लगभग 670 प्राइमरी एग्री क्रेडिट सोसाइटीज (पैक्स) के माध्यम से तथा साथ ही लगभग 61 हजार स्वंय सहायता समूहों के माध्यम से भी किसानों से मंडुआ की खरीद की जायेगी। मंत्री ने कहा कि स्वंय सहायता समूहों की महिलाएं द्वारा जब किसानों से उनके घर जाकर एमएसपी पर उत्पादों की खरीद की जायेगा तो इससे बिचौलियों पर अंकुश लगाया जा सकेगा तथा किसानों को उनके उत्पाद का सही मूल्य मिल सकेगा और वर्ष 2025 तक सवा लाख बहिनों को लखपति दीदी बनाने का संकल्प भी साकार हो सकेगा।

6 माह के बच्चा चोरी होने का खुलासा, दम्पत्ति गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 6 माह के बच्चा चोरी होने का मात्र 13 दिनों के भीतर खुलासा करते हुए पुलिस ने दिल्ली के एक दम्पत्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से चुराया गया बच्चा भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते माह 17-18 जून को गाजियाबाद से हरिद्वार घूमने आया परिवार रात को चौकी रोड़ी बेलवाला क्षेत्रांतर्गत विद्युत विभाग कॉलोनी के पास सो गया था, बताया जा रहा है कि उसी दौरान महिला की गोद से उसका 6 महीने के मासूम को कोई चोरी कर ले गया। बच्चा चोरी होने की शिकायत मिलने पर मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चुराये गये बच्चे की तलाश शुरू कर दी गयी। चुराये गये बच्चे की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद बीते रोज बच्चे को गोयला डेयरी थाना छावला नई दिल्ली से सकुशल बरामद करते हुए बच्चा चोरी में शामिल दंपति को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम प्रसून कुमार व पत्नी प्रीति निवासी गोयला डेयरी थाना छावला नई दिल्ली बताया। बताया कि वह 16 जून को अपनी पत्नी प्रीति के साथ हरिद्वार घूमने आया था। प्रीति पहले से शादी शुदा थी उसने अपने पहले पति को छोड़कर प्रसून से दूसरी शादी की थी पहली शादी से प्रीति के 2 बच्चे हैं जिसके उपरांत प्रीति ने खुद का ऑपरेशन करा दिया था जिस कारण प्रसून से शादी के बाद उनकी कोई भी संतान नहीं थी।

प्रसून कुमार से शादी के बाद प्रीति की सास द्वारा उसे बच्चे के लिए बार बार कहने व वारिस न होने की बात को लेकर ताने सुनाए जाते थे। इसी वजह से हरिद्वार घूमने के दौरान दंपती द्वारा बच्चा पाने की लालसा में रात्रि में महिला के पास सो रहे 6 माह के मासूम को चुपके से चोरी कर लिया था। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

नौकरी के नाम पर ठगे साढे आठ लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर साढे आठ लाख रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने पति पत्नी सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार टपकेश्वर कालोनी गढी कैण्ट निवासी नितिश कुमार ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके (मामा) सुनील कुमार की परिचित भारती अधिकारी का आना जाना उसके मामा के परिवार में था जब वह अपने मामा के घर आते जाते थे उनकी मुलाकात वहां आने वाली भारती अधिकारी से हुई। भारती अधिकारी ने अपने पति शोमिन्द्र अधिकारी का हवाला देते हुए कहा कि उसके पति ओएनजीसी जोधपुर में कार्य करते हैं और उन्होंने कई व्यक्तियों की सरकारी नौकरी में नियुक्ती करवाई हैं ओर उन्हें कई लोगो के नियुक्ती पत्र अपने फोन में दिखाए। जिस पर नौकरी कि उम्मीद में उन्होंने भारती अधिकारी को पूर्ण जानकारी के लिए अपने घर बुलाया। उक्त महिला उनके घर पर आई और उसने बताया कि उसके पति व उनके मित्र सरकारी नौकरी में नियुक्ती कराने में लोगों की सहायता करते है। उसके पति स्वयं भी ओएनजीसी के अधिकारी पद पर है। उसके बाद उन्होंने उससें नौकरी की प्रक्रिया की जानकारी मांगी जिस पर भारती अधिकारी ने एफसीआई में किसी व्यक्ति की नियुक्ती का प्रमाण पत्र दिखाते हुए बताया कि अभी कुछ दिन पहले ही उक्त व्यक्ति की नियुक्ती उसके पति ने करवाई है इस बात पर विश्वास करें। उन्होंने भारती अधिकारी की बात का यकीन कर उसके कहे अनुसार उक्त महिला व शोमिंदर अधिकारी को सारे दस्तावेज बताए अनुसार दिये और उनसे बात करी, कुछ समय बाद उक्त दोनों व्यक्तियों द्वारा नियुक्ती हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जाने की बात कही गयी और सिक्योरिटी के रूप में पैसे जमा करने को कहा और बताया कि यह पैसे बाद में जीवीएफ में वापिस आपको मिलेंगे। जिसके बाद उन्होंने उनकी बेटी शिफाली अधिकारी के खातों में समय-समय पर धनराशि डाली और इन लोगों कभी इंटरव्यू तो कभी ट्रेनिंग के नाम पर उनसे लगभग साढे आठ लाख रूपये लिये और उसको एफसीआई का एक ज्वाइनिंग लेटर व आई कार्ड दिया। जब वह एफसीआई कार्यालय पहुंचा तो उसको वहां पर अधिकारियों ने बताया कि यह लेटर फर्जी है। जिसके बाद उ सको पता चला कि उक्त लोगों ने उनके साथ धोखाधडी की है।

एक नजर

आज से शुरु हुई बाबा बपर्फानी की यात्रा, सुरक्षा के किए गए हैं पुख्ता इंतजाम

जम्मू। अमरनाथ यात्रा आज 1 जुलाई से शुरू हो गई है। बाबा अमरनाथ बर्फानी के भक्त पहलगाम और बालटाल के रास्ते पवित्र गुफा की ओर निकल पड़े हैं। यात्रा के लिए 3488 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था बेस कैंप से अपने-अपने निर्धारित प्वाइंट पर पहुंचा था। दोनों रूट पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। दक्षिण कश्मीर के हिमालय की पहाड़ियों में 3880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बाबा की गुफा की 62 दिन की यात्रा में सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर खास ध्यान रखा जा रहा है। क्योंकि आतंकी संगठन टीआरपी ने यात्रा को लेकर धमकी जारी की थी। सुरक्षा का ज्यादातर जिम्मा सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस को सौंपा गया है। जम्मू से लेकर कश्मीर फिर अनंतनाग ने गुफा और अनंतनाग से बालटाल हर जगह चप्पे चप्पे पर सुरक्षाबल तैनात हैं। पुलिस, सीआरपीएफ, सेना, बीएसएफ और एसएबीसी ने कॉर्डिनेटेड सुरक्षा प्लान बनाया है। जम्मू से लेकर पवित्र गुफा तक दोनों रास्तों पर कड़े सुरक्षा के प्रबंध किये गए है।

गुजरात हाईकोर्ट ने तीस्ता सीतलवाड़ की नियमित जमानत याचिका खारिज की

नई दिल्ली। तीस्ता सीतलवाड़ को गुजरात हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली है। हाईकोर्ट ने सीतलवाड़ की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी है, इसके साथ ही उन्हें साल 2002 के गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए कथित तौर पर सबूत गढ़ने से संबंधित मामले में तुरंत आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति निर्जर देसाई की पीठ ने सीतलवाड़ की जमानत याचिका खारिज कर दी और उन्हें तुरंत आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। बदा दें कि तीस्ता सीतलवाड़ अंतरिम जमानत हासिल करने के बाद जेल से बाहर हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, चूंकि आवेदक सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत पर बाहर है, इसलिए उसे तुरंत आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया जाता है।

पंजाबी लोक गायक रणजीत सिद्धू ने की खुदकुशी

नई दिल्ली। पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री से दुखद खबर सामने आई है। पंजाबी लोक गायक रणजीत सिद्धू ने खुदकुशी कर ली है। रणजीत सिद्धू का शव रेलवे ट्रैक के पास से बरामद किया गया है। इस मामले में जीआरपी एसआई का बयान भी सामने आया है। एस वेबसाइट के मुताबिक, जीआरपी एसआई जगविंदर और जीआरपी नरदेव सिंह ने बताया है कि रेलवे ट्रैक से एक शव मिला, जिसे पहचान के लिए जीआरपी चौकी में रखा गया था। आज उसकी पहचान रणजीत सिंह पुत्र नछत्तर सिंह निवासी सुनाम के रूप में हुई है। रणजीत सिंह की पत्नी ने बताया कि सिंगर का उनसे रिश्तेदारों से झगड़ा चल रहा था। दरअसल कुछ समय पहले रणजीत ने अपनी बेटी की शादी की थी, जिसके बाद रिश्तेदारों से उनका विवाद हो गया था। इसी को लेकर उनको प्रताड़ित किया जा रहा था, जिस वजह से रणजीत ने आत्महत्या कर ली है।

जेल के गेट पर हुई क्रास फायरिंग में एक की मौत, दूसरा गिरफ्तार

बिजनौर। शुक्रवार रात जिला कारागार के मुख्य गेट पर हुई क्रॉस फायरिंग में एक बदमाश की मौके पर मौत हो गई। जबकि उसके एक साथी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिजनौर नीरज कुमार जादौन ने बताया कि दोनों आरोपी हत्या के प्रयास में बंद राजन (23) निवासी शादीपुर गांव को जान से मारने आए थे। बताया कि 30 जून को राजन को जमानत पर रिहा किया गया था। राजन जिला कारागार के मुख्य गेट से बाहर आया, तो उसी वक्त घात लगाए हुए दोनों आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जिला जेल चौकी पर तैनात कांस्टेबल राजीव और एएसआई रंजीत कुमार ने आरोपियों को पकड़ना चाहा, तो विशाल के साथी रैनक ने फायरिंग शुरू कर दी। इसमें क्रास फार्यरिंग में आरोपी विशाल शर्मा को गोली लग गई। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। क्रॉस फायरिंग में कांस्टेबल राजीव और एएसआई रंजीत कुमार भी घायल हो गए। दोनों पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वन तस्कर को हिरासत से छुड़ाने के मामले में 2 गिरफ्तार, 2 फरार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। वन विभाग की टीम के साथ मारपीट कर वन तस्कर को छुड़ाने के मामले में कार्यवाही करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में दो आरोपी फरार है जिनकी तलाश में छापेमारी जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती 26 जून को मलकीत सिह पुत्र कृष्णपाल सिह निवासी पीपलिया शक्ति फार्म थाना सितारगंज जिला उधमसिह नगर हाल वन रक्षक वन विभाग चौकी शहदौरा बरा थाना पुलभट्टा द्वारा शहदौरा जंगल से वन उपज लकड़ी की तस्करी करने वाले दो लोगो को बाइक सहित रोका था जिसमे एक व्यक्ति नन्हे खान बाइक व लकड़ी का गठ्ठा छोडकर भाग गया था जबकि वन विभाग की टीम द्वारा गुड्डू खान को बाइक व लकड़ी के गठ्ठे

सहित पकड़ कर चौकी लाया गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान चौकी पर भागा हुआ नन्हे खान उर्फ राज खान अपने साथ शहदौरा के पूर्व प्रधान लाल खान व उसके बेटे सोहेल खान को लाठी डण्डो से लैस होकर पहुंचा और वन कर्मियों से मारपीट कर गुड्डू खान को छुडाकर ले गया। मामले मे वनकर्मी मलकीत द्वारा थाना पुलभट्टा में आरोपी गुड्डू खान पुत्र अबरार खान, लाल खान पुत्र चांद खान, सोहेल खान पुत्र लाल खान व राज खान उर्फ नन्हे खान पुत्र चांद खान निवासी ग्राम अलीनगर थाना पुलभट्टा के खिलाफ विभाग की चौकी में आकर वनकर्मियों के साथ लाठी डण्डो से मारपीट कर गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देना तथा वन चौकी में गिरफ्तार आरोपी गुड्डू खान को छुडाकर ले जाने के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिस पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने आरोपी गुड्डू खान उर्फ आरिफ पुत्र अबरार खान व राज खान उर्फ नन्हे खान पुत्र चांद खान निवासी अलीनगर को बीती शाम गिरफ्तार कर लिया गया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। मामले में दो आरोपी लाल खान व सोहेल खान फरार है जिनकी तलाश में छापेमारी जारी है। बताया जा रहा है कि फरार आरोपियों ने अपनी अंतरिम जमानत हेतु उच्च न्यायालय नैनीताल में स्टे हेतु अनुरोध किया गया है।

लूट की एक्टिवा के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने लूट की एक्टिवा के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 जून 2023 की रात्रि को कुलदीप सिंह पुत्र खिलाफ सिंह निवासी ग्राम अंग तोली पोस्ट ऑफिस अशेर शिमली जिला चमोली उत्तराखंड के द्वारा थाना कैंट आकर प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि किशन नगर चौक से घंटाघर की तरफ जाते वक्त दो अनजान व्यक्तियों द्वारा यमुना कॉलोनी चौक से पहले उसकी स्कूटी लूटी गई है।

पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। आज बिंदाल पुल के निकट लीची बाग से ऋषभ पुत्र सहदेव आर्य निवासी ग्राम ऊन पोस्ट ऑफिस ऊन जिला शामली उत्तर प्रदेश तथा रितिक पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम ढिंढाली पोस्ट ऑफिस झिंझाना जिला शामली उत्तर प्रदेश को लूट की स्कूटी सहित गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बंद घर में हुई चोरी का खुलासा, लाखों के गहनों सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। बंद घर में हुई चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को चुराये गये लाखों रूपये के गहनों सहित गिरफ्तार कर लिया है।

मामला चमोली जनपद के कोतवाली कर्णप्रयाग क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार बीती 25 जून को दिव्या कनवासी पत्नी प्रशान्त कनवासी निवासी गौचर द्वारा कोतवाली कर्णप्रयाग में तहरीर देकर बताया गया था कि 14 जून से 23 जून तक वह अपने परिवार के साथ घर से बाहर थी। इस दौरान उनके घर में अज्ञात चोरों द्वारा उनके सोनें के आभूषण मंगल सूत्र, अंगूठी व नथ चोरी कर लिये गये हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग ढाई लाख रूपये है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को कल

देर रात सूचना मिली कि उक्त चोरी में शामिल चोर आईटीबीपी गौचर के पास बने प्रतिकक्षालय में देखा गया है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर सुमित खत्री पुत्र कुलदीप सिंह खत्री निवासी ग्राम इशाला थाना व जिला-रुद्रप्रयाग हाल निवासी मोहिनी लॉज कर्णप्रयाग जिला-चमोली को चोरी किये गये शत-प्रतिशत आभूषणों सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

चाईल्ड पोर्नग्राफी पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। चाईल्ड पोर्नग्राफी मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दरोगा शैकी सिंह ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको एसएसपी देहरादून व एसएसपी एसटीएफ के द्वारा जांच के लिए एक बंद लिफाफा प्राप्त हुआ। जिसके माध्यम से गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित नेशनल साईबर क्राईम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से गूगल पर चाईल्ड पोर्नग्राफी विडियो अपलोड किए जाने सोशल मिडिया यूजर के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत करने के उद्देय से यूजर का विवरण पत्र के माध्यम से प्राप्त हुआ है व उपरोक्त पत्र के साथ एक सीडी प्राप्त हुई है जिसका अपने निजी लेपटाप मे अवलोकन किया गया उपरोक्त विडीयो मे चाईल्ड पोर्न विडियो का होना पाया गया है जिसमे सोशल मिडिया यूजर बरिहम दाई पुत्र देवी सिह निवासी वर्तमान पता श्रीदेव सुमननगर कैण्ट देहरादून मोबाइल नम्बर का सलिप्त होना पाया गया है जिसके द्धारा इंटरनेट सोशल मीडिया को माध्यम से चाईल्ड पोर्नग्राफी के साक्ष्य प्राप्त हुए है बरिहम दाई द्धारा किया गया यह कार्य धारा 67 (बी) आईटी एक्ट के अन्तर्गत आता है यूजर बरिहम दाई के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।